

तूर्यनाद परिवार - लेखन दिशानिर्देश

1. 9 तक की संख्या को शब्दों में लिखें, जैसे पाँच, सात आदि। 10 से अधिक संख्या को अंकों में ही लिखें जैसे 12, 19, आदि।
2. प्रतिशत के लिए % का प्रयोग न करें, शब्दों में ही लिखें।
3. दिनांक के बीच किसी प्रकार के चिह्न का प्रयोग न करें। जैसे- 13 सितंबर 2018 ऐसे लिखें।
4. Abbreviation जैसे R.B.I. को आर. बी. आई. न लिखकर- आरबीआई लिखें।
5. हिंदी के कारक चिह्न सभी प्रकार के संज्ञा शब्दों में प्रातिपदिक से पृथक् लिखे जाएँ। जैसे- राम ने, राम को, राम से, स्त्री का, स्त्री से, सेवा में आदि। सर्वनाम शब्दों में ये चिह्न प्रातिपदिक के साथ मिलाकर लिखे जाएँ। जैसे- तूने, आपने, तुमसे, उसने, उसको, उससे, उसपर आदि।
6. द्वंद्व समास में पदों के बीच हाइफ़न रखा जाए। जैसे- राम-लक्ष्मण, शिव-पार्वती, देख-रेख, चाल-चलन, हँसी-मजाक, लेन-देन, पढ़ना-लिखना, खाना-पीना, खेलना-कूदना आदि।
7. सा, जैसा आदि से पूर्व हाइफ़न रखा जाए। जैसे- तुम-सा, राम-जैसा, चाकू-से तीखे।
8. समस्त पदों में प्रति, मात्र, यथा आदि अव्यय जोड़कर लिखे जाएँ (यानी पृथक् नहीं लिखे जाएँ)। जैसे- प्रतिदिन, प्रतिशत, मानवमात्र, निमित्तमात्र, यथासमय, यथोचित आदि।
9. संयुक्त व्यंजन के रूप में जहाँ पंचम वर्ण (पंचमाक्षर) के बाद सवर्गीय शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो तो एकरूपता और लेखन की सुविधा के लिए अनुस्वार का ही प्रयोग करना चाहिए। जैसे- पंकज, गंगा, चंचल, कंजूस, कंठ, ठंडा, संत, संध्या, मंदिर, संपादक, संबंध आदि (कण्ठ, ठण्डा, सन्त, मन्दिर, सन्ध्या, सम्पादक, सम्बन्ध वाले रूप नहीं)।
10. यदि पंचमाक्षर के बाद किसी अन्य वर्ग का कोई वर्ण आए तो पंचमाक्षर अनुस्वार के रूप में परिवर्तित नहीं होगा। जैसे वाङ्मय, अन्य, चिन्मय, उन्मुख आदि।
11. चंद्रबिंदू का प्रयोग- अनुनासिकता व्यंजन नहीं है, स्वरों का ध्वनिगुण है। अनुनासिक स्वरों के उच्चारण में नाक से भी हवा निकलती है। जैसे- आँ, ऊँ, एँ, माँ, हूँ, आँ।
12. तत्सम शब्दों के अंत में प्रयुक्त विसर्ग का प्रयोग अनिवार्य है। यथा- अतः, पुनः, स्वतः, प्रायः, पूर्णतः, मूलतः, अंततः, वस्तुतः, क्रमशः आदि।
13. दुःसाहस/दुस्साहस, निःशब्द/निश्शब्द के उभय रूप मान्य होंगे। इनमें द्वित्व वाले रूप को प्राथमिकता दी जाए।
14. पूर्वकालिक कृदंत प्रत्यय 'कर' क्रिया से मिलाकर लिखा जाए। जैसे- मिलाकर, खा-पीकर, रो-रोकर आदि। कर + कर से 'करके' और करा + कर से 'कराके' बनेगा।
15. जहाँ श्रुतिमूलक य, व का प्रयोग विकल्प से होता है वहाँ न किया जाए, अर्थात् किए : किये, नई : नयी, हुआ : हुवा आदि में से पहले (स्वरात्मक) रूपों का प्रयोग किया जाए।

16. Space related guidelines- Space after पूर्णविराम, अल्पविराम परंतु पहले कोई space नहीं।
Bracket के अंदर कोई space बाहर space छोड़ें। द्वंद्व शब्दों में dash के आगे-पीछे कोई space नहीं, जब dash के बाद दूसरा वाक्यांश शुरू हो रहा हो तो dash के बाद space छोड़ें, पहले कोई space नहीं।
17. Colon (:) का प्रयोग वर्जित है।